सादर प्रकाशनार्थ—

दिनांक : 28-02-2011

इंसानियत का पाठ पढ़ाता है अणुव्रत

उपराष्ट्रपति से राकेश मुनि का संवाद

नई दिल्ली, उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी से अणुव्रत प्रभारी मुनि राकेश कुमार अपने सहयोगी सन्तों मुनि सुधाकर एवं मुनि दीपकुमार के साथ उनसे भेंट की तथा आचार्य श्री महाश्रमणजी के अमृत महोत्सव के संबंध में जानकारी दी। मुनिश्री राकेश कुमारजी ने कहा—आचार्य तुलसी ने नैतिक जागरण के लिए अणुव्रत आंदोलन का प्रारंभ किया था। अणुव्रत इंसानियत का पाठ पढ़ाता है। उसका एक घोष है— **'इंसान पहले इंसान, फिर हिन्दु या मुसलमान'।** अणुव्रत के द्वारा समाज में एकता और नैतिकता का प्रचार-प्रसार होता है। अणुव्रत दर्शन में संयम और अनुशासन पर बल दिया गया है। उसका एक सूत्र है— **'निज पर शासन, फिर अनुशासन'।** आज देश में जो भ्रष्टाचार का कैंसर फैल रहा है उसका मुख्य कारण अनुशासन का अभाव है।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कहा—'आज इंसान को इंसान बनने की कला सीखनी जरूरी है। जाति, मजहब और धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता का होना देश के विकास के गति को अवरुद्ध करता है।' अणुव्रत के विचार देश और मानवता के हित में प्रतीत होते हैं। अनुशासन और संयम के अभाव में समस्याओं का जन्म होता है। इस अवसर पर मांगीलालजी सेठिया, दिल्ली तेरापंथ सभा के अध्यक्ष के. के. जैन, उपाध्यक्ष, हेमराज बैद, महामंत्री नरपत मालू भी उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति को अणुव्रत का साहित्य भेंट किया गया।

प्रेषक

शीतल बरड़िया
मीडिया प्रभारी
मो. 9999970423

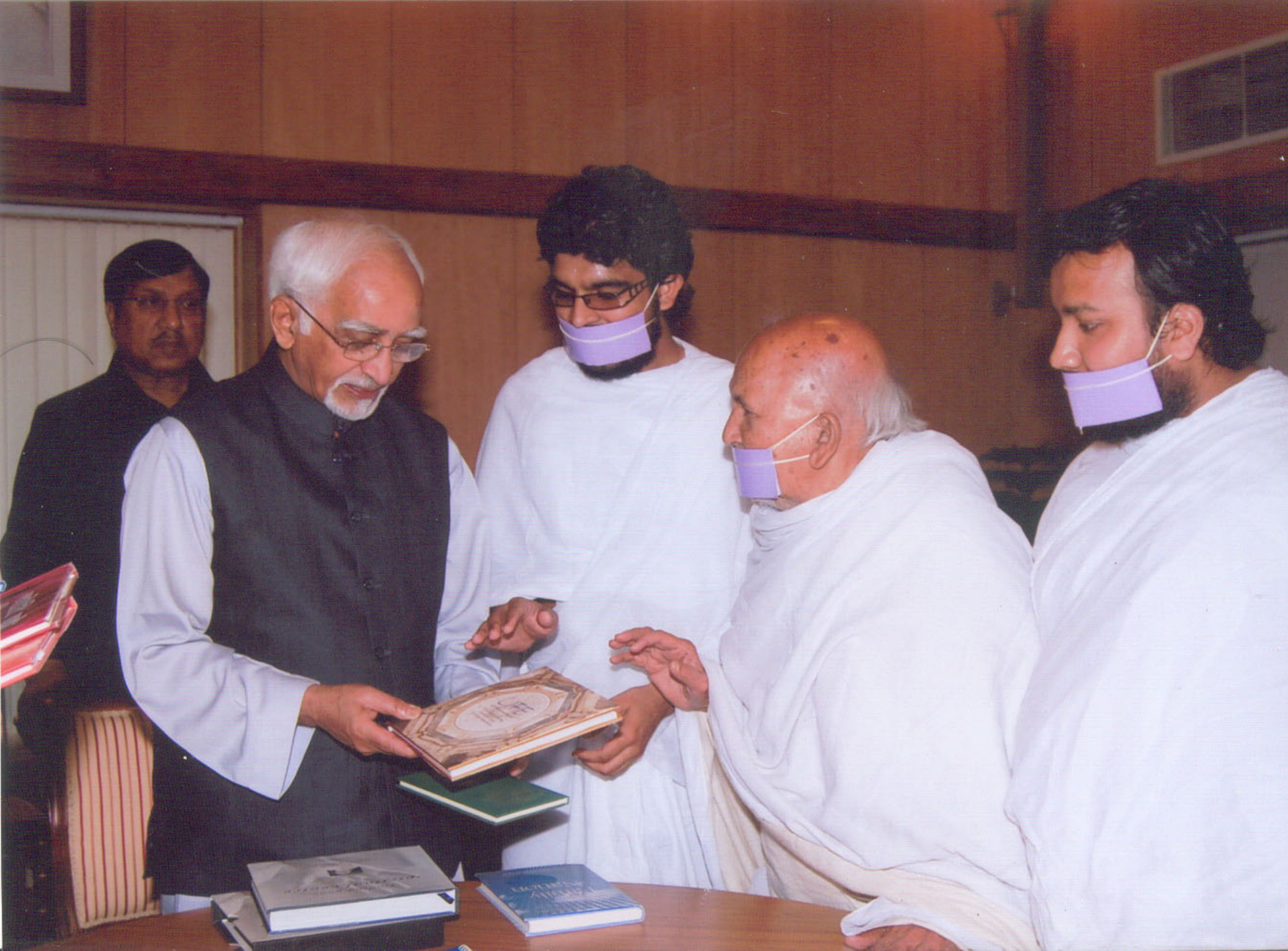

Muni Shri Rakesh Kumarji in discussion with Vice President
H.E. Shri Hamid Ansariji